

लखनऊ में एशिया की पहली पैथोजेन रडिक्शन मशीन का लोकार्पण

चर्चा में क्यों?

हाल ही में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लखनऊ स्थिति कगि जार्ज चकित्सा विश्वविद्यालय (केजीएमयू) में थोरेसकि सर्जरी और वेस्कुलर सर्जरी वभिग के साथ ट्रांसफ़्यूजन मेडसिनि वभिग में एशिया की पहली पैथोजेन रडिक्शन मशीन का शुभारंभ कया ।

प्रमुख बदि

- उल्लेखनीय है करिक्त की अनेक अशुद्धियाँ ऐसी होती हैं, जो अधसिंख्य जाँचों में पकड़ में नहीं आती हैं और इस अशुद्ध रक्त के कसिी मरीज़ को चढ़ाए जाने पर उसे सेपससि जैसे संक्रमण हो सकते हैं ।
- इस संक्रमण से बचाव हेतु एशिया की पहली पैथोजेन मशीन शुरू की गई है, जो केवल 15 मनिट में 4 यूनिट रक्त की अशुद्धियों को दूर कर सकती है ।
- इस मशीन से प्लेटलेट्स और प्लाज्मा में शुरुआती दौर में हुए कसिी भी प्रकार के संक्रमण को समाप्त कया जा सकता है, जो अंग प्रत्यारोपण अथवा कमज़ोर इम्यूनटी वाले मरीज़ों के लयिे बेहद लाभदायक साबति होगी ।
- डेंगू, स्वाइन फ्लू, चकिनगुनयिा, साइटोमैगलिो वायरस समेत लगभग 200 ऐसे बैक्टीरयिा, फंगस, प्रोटोजोआ आदि रक्तदाता के रक्त में रह सकते हैं और रक्तग्राही के रक्त में जाकर संक्रमण पैला सकते हैं । यह मशीन इन्हीं संक्रमण को समाप्त कर सकती है ।
- केजीएमयू के ट्रांसफ़्यूजन मेडसिनि वभिग की अध्यक्ष डॉ. तुलकिा चंद्रा के अनुसार पैथोजेन की कटि में चार अलग-अलग बलड यूनिटि को रखा जाता है, जो रक्त यूनिटि में अल्ट्रावायलेट इम्यूनमिटर के द्वार 10-15 मनिट में ही रक्त के सभी प्रकार के जीवाणु को हटाकर रक्त यूनिटि को पूरी तरह शुद्ध करती है ।